

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ  
पीठासीन अधिकारी का नाम : पंकज गढवाल (आर0ए0एस0)  
प्रकरण संख्या - 485/2024  
अनवान : -

1. जगदीश पुत्र रामेश्वर दास जाति स्वामी निवासी निवासी कैमरी जिला हिसार  
(हरियाणा)

- वादी

बनाम्

1. ओम प्रकाश पुत्र रामेश्वर दास जाति स्वामी निवासी कैमरी जिला हिसार (हरियाणा)।
2. विमला पत्नी रामेश्वर जाति स्वामी निवासी निवासी कैमरी जिला हिसार (हरियाणा)
3. धर्मा पुत्री रामेश्वर जाति स्वामी निवासी डींग जिला सिरसा (हरियाणा)।
4. लीलावती पुत्री रामेश्वर जाति स्वामी निवासी डींग जिला सिरसा (हरियाणा)
5. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर तहसील नोहर।

- प्रतिवादीगण

दावा बाबत अन्तर्गत धारा 88-89 ,राजस्थान काश्त0  
अधि0 1955

उपस्थिति :- श्री रविन्द्र कुमार गोदारा अधिवक्ता वादी  
पेरोकार राज

निर्णय

दिनांक: 26/06/2024

संक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत इस आशय का पेश किया है कि वादी एवं प्रतिवादीगण की दादा लाई खातेदारी कृषि भूमि रोही मौजा चैनपुरा तहसील नोहर के जमाबन्दी सम्वत 2077-2080 के खाता संख्या 29/30 के कुल खसरे 6 की कुल तादादी 8. 2320 है0 भूमि में से 295/2744 हिस्सा भूमि वादी के पिता मृक रामेश्वर पुत्र घेरु के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड है।

उपरोक्त भूमि वादी व प्रतिवादीगण की दादालाई खातेदारी कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्मजात हक हिस्सा है। वादी के पिता रामेश्वर पुत्र घेरु का स्वर्गवास हो चुका है जिनके स्वर्गवास के बाद वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 जायज वारिस है जिनका उपरोक्त भूमि में ब0 हि0 ब0 हक हिस्सा है। प्रतिवादीया संख्या 2 जो कि वादी की माता है तथा प्रतिवादीया संख्या 3 व 4 जो कि वादी की बहिने है उपरोक्त भूमि में कोई हक हिस्सा नहीं लेना चाहती है तथा उपरोक्त भूमि मे अपना जो भी हक हिस्सा है वह परिवार के मौजिज व्यक्तियों के सामने अपने पुत्रो/भाईयो के पक्ष में परित्याग कर दिया है इस प्रकार प्रतिवादीया संख्या 2 ता 4 का कोई हक हिस्सा शेष नहीं बचा है बाद हक त्याग भूमि में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ब0 हि0 ब0 काबिज है। वादी जिसकी न्यायालय से घोषणा करवाकर राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने का अधिकारी है। यही विनाय दावा है।

  
उपखण्ड अधिकारी  
नोहर



वादी ने प्रतिवादीगण को कई दफा कहा कि वादी के हक व हिस्सा की भूमि को उनके नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिन तक आजकल आजकल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिए यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की वादी के हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बंटवारे के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के बाद प्रतिवादी सं० 1 ता 4 ने जरिये अधिवक्ता वादी के वाद को स्वीकार करते हुए इकबाल जवाब पेश किया की वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 4 को कोई ऐतराज नहीं है। प्रतिवादी संख्या 5 परोकार राज ने जवाब पेश किया जो की शामिल मिसल किया गया। वादी ने वाद के समर्थन में बतौर दस्तावेजी साक्ष्य नवीनतम जमाबंदी, मृत्यु प्रमाण रामेश्वर पुत्र घेरू, शपथ पत्र बाबत वारिसान आदि दस्तावेज पेश किये जो की शामिल मिसल किये गये।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का इकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नहीं रही साक्ष्य में वादी के द्वारा शपथ पत्र पेश किया गया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नहीं करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पश्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

बहस वकील उभयपक्षकारान सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने कथन किया कि उक्त वाद भूमि वादी की दादालाई कृषि भूमि है जो की वर्तमान राजस्व रिकार्ड में रामेश्वर पुत्र घेरूके नाम दर्ज है जो की वादी का पिता है। रामेश्वर पुत्र घेरू का स्वर्गवास हो चुका है रामेश्वर पुत्र घेरू के जायज वारिसान सजरा खानदान के अनुसार वादी व प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 4 है जो की अपने हक हिस्सा अनुसार वाद भूमि अपने नाम दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। प्रतिवादी सं० 2 ता 4 उक्त वाद भूमि में कोई हक हिस्सा नहीं लेना चाहते है इन्होंने अपना समस्त हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी सं० 1 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है। बाद त्याग वाद भूमि पर वादी व प्रतिवादी सं० 1 बहिब काबिज है। प्रतिवादीगण द्वारा वादी के वाद को स्वीकार किया जाकर इकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के संबंध में कोई ऐतराज नहीं है। अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।


परोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबूतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावे।

हमारे द्वारा अभिभाषकगण की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। वाद में प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार वादी एवं प्रतिवादीगण की दादा लाई खातेदारी कृषि भूमि रोही मौजा चैनपुरा तहसील नोहर के जमाबन्दी सम्वत 2077-2080 के खाता संख्या 29/30 के कुल खसरे 6 की कुल तादादी 8.2320 है० भूमि में से 295/2744 हिस्सा भूमि वादी के पिता मृक रामेश्वर पुत्र घेरू के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड है,

वादी का कथन है कि वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में रामेश्वर पुत्र घेरू के नाम दर्ज है जो की वादी का पिता है। रामेश्वर पुत्र घेरू का स्वर्गवास हो चुका है रामेश्वर पुत्र घेरू के जायज वारिसान सजरा खानदान के अनुसार वादी व प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 4 है जो की अपने हक हिस्सा अनुसार वाद भूमि अपने नाम दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। प्रतिवादी स0 2 ता 4 उक्त वाद भूमि में कोई हक हिस्सा नहीं लेना चाहते है इन्होंने अपना समस्त हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी स0 1 के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है। बाद त्याग वाद भूमि पर वादी व प्रतिवादी स0 1 बहिब काबिज है, वादी के उक्त कथनों को प्रतिवादीगण द्वारा स्वीकार किया जाकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए इकबाल पेश किया गया है कि वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 4 को कोई ऐतराज नहीं है। वादी द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र बाबत वारिसान एवं सजरा खानदान के अलावा मृतक रामेश्वर पुत्र घेरू के अन्य कोई भी वारिस नहीं होना स्वीकार किया गया है। अतः वाद वादी साक्ष्य सबूतों एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण मुताबिक अनुतोष स्वीकार योग्य है।

अतः वाद वादी साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा चैनपुरा तहसील नोहर के जमाबन्दी सम्वत 2077-2080 के खाता संख्या 29/30 के कुल खसरे 6 की कुल तादादी 8.2320 है0 भूमि में से 295/2744 हिस्सा भूमि में मृतक रामेश्वर पुत्र घेरू का नाम कलमजन करवाकर वादी व प्रतिवादी संख्या 1 को ब0 हि0 ब0 के खतोदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500/- रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरुस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे। इसी आशय की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हों।

निर्णय आज दिनांक 20/06/24 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(पंकज गढ़वाल R.A.S)  
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)  
एवं सहायक कलक्टर  
नोहर

## पर्चा डिक्री

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ  
पीठासीन अधिकारी का नाम : पंकज गढ़वाल (आर0ए0एस0)

प्रकरण संख्या - 485/2024

अनवान : -

1. जगदीश पुत्र रामेश्वर दास जाति स्वामी निवासी निवासी कैमरी जिला हिसार (हरियाणा)

- वादी

### बनाम्

1. ओम प्रकाश पुत्र रामेश्वर दास जाति स्वामी निवासी कैमरी जिला हिसार (हरियाणा)।
2. विमला पत्नी रामेश्वर जाति स्वामी निवासी निवासी कैमरी जिला हिसार (हरियाणा)
3. धर्मा पुत्री रामेश्वर जाति स्वामी निवासी डींग जिला सिरसा (हरियाणा)।
4. लीलावती पुत्री रामेश्वर जाति स्वामी निवासी डींग जिला सिरसा (हरियाणा)
5. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर तहसील नोहर।


- प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

राजस्व वाद संख्या 485 सन 2024 निर्णय दिनांक 20/06/2024

आज यह वाद मुझ पंकज गढ़वाल उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर नोहर के समक्ष वकील वादी श्री रविन्द्र कुमार गोदारा एवं राज पेरोकार की उपस्थिति में निर्णयार्थ/अंतिम निपटारे हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा चैनपुरा तहसील नोहर के जमाबन्दी सम्वत 2077-2080 के खाता संख्या 29/30 के कुल खसरे 6 की कुल तादादी 8.2320 है0 भूमि में से 295/2744 हिस्सा भूमि में मृतक रामेश्वर पुत्र घेरू का नाम कलमजन करवाकर वादी व प्रतिवादी संख्या 1 को ब0 हि0 ब0 के खतोदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500/- रु का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरुस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 20/06/24 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।

  
(पंकज गढ़वाल R.A.S)  
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)  
एवं सहायक कलक्टर  
नोहर